त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आइ.एस.ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
एकमात्र प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020)
6122271, 6125030,
6127545, 6123436

रेलवे 5870
छात्रावास - डी ओ टी (020)
6130579, 6126816
रेलवे 5861

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल : iricen@vsnl.com और
dr-office@iricen.railnet.gov.in
टेलिग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.com

वर्ष - चतुर्थ | अंक - तृतीय | जुलाई - सितंबर 2000

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

❖ राजभाषा विशेषांक ❖

इस अंक में

1) राजभाषा के बढ़ते चरण
2) समाचार संक्षेप
3) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
4) आपके पत्र
5) सृजन

भारतीय रेल पर सर्वोत्कृष्ट द्विभाषी वैब साइट के निर्माण का गौरव हमें प्राप्त हुआ है।

रेल मंत्रालय व्दारा दि. 11 एवं 12 सितम्बर को नई दिल्ली में राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष समापन समारोह के अवसर पर द्विभाषी वैब साइट प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें अनेक क्षेत्रीय रेलों, कार्यालयों तथा संगठनों ने भाग लिया था। विशेषज्ञों ने विचार

संपादकीय . . . . . .

चतुर्थ वर्ष का यह तृतीय अंक जब आपके हाथों में पहुंचेगा, तो राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष का समापन हो चुका होगा और हम अपनी राजभाषा की 50 वर्षों की प्रगति का आंकलन कर चुके होंगे। भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान ने राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष में अनेक महत्त्वपूर्ण, आशातीत तथा उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है, जिनका विवरण प्रबुद्ध पाठकों तक पहुचांने के लिए इस पत्र का 'राजभाषा विशेषांक' प्रकाशित किया जा रहा है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रयोग तथा राजभाषा में काम करने के लिए एक प्रेरक वातावरण की सृष्टि करने में राजभाषा विभाग को अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, जिसके मूल में हमारी मानसिकता है, जिसमें विगत पचास वर्षो की अपरिवर्तनशीलता शोचनीय है। हमें यह सोचना है कि क्या पचास वर्षों के बाद भी हिन्दी को बैसाखियों की जरुरत है ? हिन्दी में काम करना और हिन्दी का प्रचार-प्रसार करना हम सबका दायित्व है, इस भावना का पुष्पित-पल्लवित होना आवश्यक है।

'सृजन' स्तंभ को अच्छी सफलता मिल रही है। रचनाकारों से अनुरोध है कि रचना छोटी हो और उसके साथ निर्धारित प्रमाण पत्र संलग्न हो।

इस अंक पर आपकी प्रतिक्रियाएं तथा सुझाव आमंत्रित है।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
विनोद कुमार	डॉ.शैलेश कुमार सिन्हा	विपिन पवार	राजेश जायसवाल
निदेशक इरिसेन, पुणे	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक- रेलपथ - I	राजभाषा सहायक ग्रेड I	सह प्राध्यापक एम. बाबू मुख्य तक. सहा.

विमर्श के बाद इस संस्थान की वैब साइट को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है । रेल भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में माननीय रेल राज्य मंत्री श्री. दिग्विजय सिंह जी ने संस्थान के प्रतिनिधि श्री. सी. एच. बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स) को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए । इस वैब साइट की यह विशेषता है कि इसे डायनामिक फौन्ट्स में बनाकर हायपरलिंक किया गया है, जिससे इसे आसानी से ओपन कर पढ़ा जा सकता है । रेलवे बोर्ड राजभाषा निदेशालय द्वारा इसकी विशेष सराहना की गई है तथा भारतीय रेलवे के अन्य कार्यालयों को इस वैब साईट के निर्माण की प्रविधि का अनुसरण करने को कहा गया है । बाद में पुणे में आयोजित एक समारोह में संस्थान के निदेशक ने इस वैब साइट के निर्माण की प्रक्रिया के भागीदार संस्थान के कंप्यूटर एवं राजभाषा विभागों को पुरस्कृत किया ।

1 राजभाषा के बढ़ते चरण ।

● राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत संस्थान में दिनांक 28-7-2000 को एक राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया । सेमिनार का विषय था - 'रेल पथ संबंधी कार्यों मे गुणवत्ता' । इस सेमिनार में भारतीय रेल के 17 इंजीनियरों ने भाग लिया । उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य रेलवे के पुणे मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री. एन. एस. कस्तुरीरंगन उपस्थित थे । सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ) 2 श्री. अरविंद कुमार ने की । सेमिनार के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. एस. के. सिन्हा ने विषय प्रवर्तन किया । उद्घाटन सत्र का संचालन राजभाषा सहायक श्री. विपिन पवार ने किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री. एन. एस. कस्तुरीरंगन ने सेमिनार में प्रस्तुत किए गए तकनीकी पेपरों की पुस्तिका का विमोचन किया । अपरान्ह में तकनीकी सत्र सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न इंजीनियरों ने अपने पेपर्स प्रस्तुत किए ।

उल्लेखनीय है कि संस्थान के इतिहास में पहली बार तकनीकी विषय पर पूरी तरह से हिंदी में सेमिनार का आयोजन किया गया ।

(चित्र में बाएं से श्री. अरविंद कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. एस. के सिन्हा, पाठ्यक्रम निदेशक तथा संबोधित करते हुए श्री. एन. एस. कस्तुरीरंगन, म. रे. प्र. / पुणे)

● दि. 8 अगस्त को संस्थान में संत कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती उत्साहजनक वातावरण में मनाई गई । इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए निदेशक श्री. विनोद कुमार ने रामचरित मानस और तुलसीदास जी की प्रासंगिकता पर अपने विद्वतापूर्ण विचार व्यक्त किए । श्री. चन्द्रप्रकाश तायल वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ) 1 ने रामचरित मानस में प्रबंधकीय पहलूओं तथा श्री. राजेश कुमार जायसवाल ने तुलसीदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला । राजभाषा सहायक -2 श्री. आर. जे. पाल ने रामचरित मानस के संबंध में रोचक जानकारी प्रस्तुत की । कार्यक्रम के संचालक श्री. विपिन पवार ने 'तुलसी की समन्वय साधना' पर अपने विचार व्यक्त किए । यह कार्यक्रम भी संस्थान के इतिहास में प्रथम बार सम्पन्न हुआ ।

● संस्थान में दिनांक 8 से 14 सितम्बर तक राजभाषा सप्ताह मनाया गया । दि. 8 सितम्बर को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 68 वीं बैठक सम्पन्न हुई । सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन तथा हिंदी वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । हिंदी दिवस दि. 14 सितम्बर को राजभाषा सप्ताह तथा राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष का समापन समारोह आयोजित किया गया । मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात भाषा वैज्ञानिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के गैर सरकारी सदस्य माननीय डॉ. सूरजभान सिंह उपस्थित थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक श्री. विनोद कुमार ने की । इस अवसर पर उप मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा ने हिंदी प्रगति की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की । अंत में मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा प्रतियोगिताओं में विजेता कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया ।

(चित्र में बाएं से डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा, उपमुराधि, डॉ. सूरजभान सिंह, मुख्य अतिथि तथा श्री. विनोद कुमार, निदेशक)

● समापन समारोह की संध्या संस्थान के 41 वर्षों के इतिहास में प्रथम बार अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय कवि श्री. राजेंद्र

मालवीय (इटारसी), श्री मुकेश गौतम (मुम्बई), डॉ. मीनाक्षी (वड़ोदरा), श्री. विनोद कुशवाहा (बैतूल), श्री. आलोक कुमार (लखनऊ), श्री. सी.वी.राय 'तरुण' (झांसी), श्री. एच. एस. बघेल (पुणे), श्रीमती रश्मि वर्मा (पुणे), श्री. सुरजीत जख़्मी (पुणे) तथा श्री. विपिन पवार (पुणे) ने अपनी रचनाओं सें श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर रात्रि तक चले इस कवि सम्मेलन में हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार, वीर, करुण आदि रसों का आस्वादन श्रोताओं ने किया। कवि सम्मेलन का काव्यमय संचालन रेल कवि श्री विपिन पवार ने किया।

(चित्र में कवि सम्मेलन का एक दृश्य)

2 समाचार संक्षेप

* संस्थान के निदेशक श्री. विनोद कुमार तथा वरिष्ठ प्राध्यापक सर्वश्री सी. पी. तायल, अरविंद कुमार ने दि. 2 से 15 जुलाई तक कुआलालमपुर (मलेशिया) में मलेशियन रेलवे इंजीनियरों के लिए रेल पथ एवं पुल से संबंधित विषयों पर एक - एक सप्ताह के दो पाठ्यक्रम संचालित किए।

* इस तिमाही में 'कंक्रीट स्लीपर रेल पथ का अनुरक्षण तथा एल डब्ल्यू आर', 'कांटे एवं पारक' तथा 'रेल पथ नवीकरण' पर अल्पावधि के विशेष पाठ्यक्रम चलाए गए।

* इस तिमाही में पुलों पर वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम सम्पन्न हुआ।

* दि. 17 तथा 18 अगस्त को मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें कार्यकारी निदेशक (रे.प.म.) रेलवे बोर्ड ने प्रस्तुतिकरण दिया।

* दि. 21 तथा 22 अगस्त को प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ।

* दक्षिण रेलवे के अनुरोध पर दि. 24 से 26 अगस्त तक ताम्बरम (द. रे.) में 'रेल पथ विन्यास' पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे 67 अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

* दि. 7 से 18 अगस्त तक 'रेल पथ मशीनों का अनुरक्षण' पर विशेष पाठ्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसका प्रथम सप्ताह भारतीय रेल रेल पथ मशीन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में तथा द्वितीय सप्ताह इरिसेन में सम्पन्न हुआ।

* दि. 28 से 31 अगस्त तक इरकॉन के इंजीनियरों के लिए 'सर्वेक्षण' पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

* इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया), पुणे चैप्टर की व्याख्यान मालाओं के क्रम मे माह अगस्त के दौरान श्री. रमेश पिंजानी, प्राध्यापक - रेल पथ 2 ने 'कंक्रीट स्लीपर अभिकल्प' पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत किया।

* दि. 4 से 6 सितम्बर तक संस्थान में 'विवाचन' पर एक त्रि-दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई, जिसमें अवर एवं प्रवर प्रशासनिक श्रेणी के 21 अधिकारियों ने भाग लिया।

(चित्र में कार्यशाला के प्रतिभागियों का एक दृश्य)

3 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
48	06-11-2000	19-01-2001	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' में पदोन्नत सिविल इंजीनियरी विभाग के अधिकारी
49	06-11-2000	10-11-2000	रेल पथ प्रबोधन एवं रेल पथ मशीनों पर विशेष पाठ्यक्रम	रेल पथ अनुरक्षण में शामिल चयन श्रेणी, अ.प्र.श्रे. तथा प्र.वे.मा. अधिकारी
67	06-11-2000	10-11-2000	भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरी सेवा (परीवीक्षार्थी) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	भा. रे. वि. इं. से. (परी)
50	13-11-2000	17-11-2000	एप्लीकेशन साफ्टवेयरों तथा सूचना प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम	रेलवे के सभी सिविल इंजीनियर्स
10	20-11-2000	05-01-2001	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा (परीवीक्षार्थी) 1998 परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम चरण - 2 समूह - 2	भा. रे. इं. से.(परी) 1998 परीक्षा
58	27-11-2000	01-12-2000	अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम	रेल पथ अनुरक्षण में शामिल सभी अधिकारी
73	04-12-2000	08-12-2000	ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	प्र.वे.मा., अ.प्र.श्रे. तथा चयन श्रेणी
11	11-12-2000	02-02-2001	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा (परीवीक्षार्थी) 1999 परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम चरण - 1 समूह - 1	भा. रे. इं. से.(परी) 1999 परीक्षा

4 आपके पत्र

'इरिसेन' द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक सूचना पत्र आपके संस्थान की विभागीय, सांस्कृतिक तथा राजभाषा विषयक गतिविधियों की आकर्षक झाँकी प्रस्तुत करता है । उत्तम कोटि के कागज पर शब्द निखर-निखर पड़ते है । सुन्दर छपाई, आकर्षक साज-सज्जा, सुव्यवस्थित पृष्ठ सेटिंग तथा नियमित प्रकाशन इसकी विशेषता है ।

मेरे विचार में सूचना पत्र को आठ पृष्ठों का कर दिया जाना चाहिए, ताकि इसमें अधिकाधिक जानकारी शामिल की जा सके । उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए सम्पादक मंडल को हार्दिक बधाई ।

- चन्द्रशेखर द्विवेदी
सहायक सचिव
रेलवे भर्ती बोर्ड, भोपाल

आपके द्वारा त्रैमासिक सूचना पत्र (जनवरी-मार्च,2000) भेजने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद, साथ ही भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान को ISO-9001 का प्रमाण पत्र मिला है, उसके लिए हमारी ओर से आपको बहुत बहुत बधाई ।

- डी. एस. भाटी
प्रिंसिपल, उत्तर रेलवे डीजल प्रशिक्षण केन्द्र,
भगत की कोठी, जोधपुर

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन, पत्रिका प्राप्त हुई, धन्यवाद । पत्रिका बहुत अच्छी है । लेख सराहनीय है । कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें ।

- डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय
संसद सदस्य (लोकसभा)
सभापति, रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति

5 सृजन (कविता)

मैं, तुम और रेलवे

तुम्हारी आंखें
पेनल पर प्रदीप्त इंडीकेशन,
तुम्हारी पलकें
पुणे सेन्ट्रल का ब्युटीफिकेशन ।

तुम्हारे ओंठ
प्लेटफार्म नं. 1 के ग्लो साइन बोर्ड,
तुम्हारे कान
मोबाईल सेट से महान ।

तुम्हारी कमर
झामरूख नई लाईन *1 का कर्वेचर,
तुम्हारी नज़र
घाट सेक्शन का एडवेंचर ।

तुम्हारी हंसी
प्लेटफार्म पर खड़ी गाड़ी के लिए डिपार्चर बेल,
तुम्हारी बातें
घंटियों सी रूनझुनाती
उद्घोषणाओं सा मेल ।

तुम्हारा प्यार
मंकीहिल तथा ठाकुरवाड़ी *2
की कैच साइडिंग,
तुम्हारा वियोग
एन बॉक्स की ब्रेक बाइंडिंग
तुम्हारी मदमाती सांस
फेस्टिवल एडवांस
तुम्हारा स्पर्श सरस
पी. एल. बोनस
तुम्हारा आलिंगन
तरसाता पे कमीशन

जब भी तुम नाराज़ होती हो
मैं डिरेल हो जाता हूं,
जल्दी ही जब मुस्काती हो
तो शताब्दी रेल हो जाता हूं ।

जब भी तुम्हारे कोमल
बालों में ऊंगलियां घुमाता हूं,
तो वे घोरपड़ी *3 यार्ड की
रेल लाइनों सी उलझ जाती है ।

और.....
तुम और मैं
एक रेल पथ
दोनों पटरियां अलग-अलग
लेकिन चलती है साथ-साथ
मिलती नहीं है कभी एक बार
लेकिन एक के बिना
दूसरी है बेकार -2

**1* } *- लोनावला मुंबई सेक्शन की लाइन*
**2* } *- तथा साईडिंग*
**3 - पुणे स्टेशन का गुड्स यार्ड*

- विपिन पवार
राजभाषा सहायक, ग्रेड 1,
इरिसेन/पुणे

डॉ. शैलेश कुमार सिन्हा, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं **मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी,** सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 व्दारा मुद्रित